

[illegible]

दि

वा॥ लिङ्गलिवा॥ लिङ्गमननव॥ लिङ्गलीलनव॥ डयासकावा॥ डयाधिकावा॥ वदर
स्मर्ननव॥ वयनिषीनव॥ नृकनधननियतमिङ्गति॥ नृनष॥ सनानधननल
रुङ्गाहयव॥ वाधितायि नृवाधिताय॥ वाधिनकमवायव॥ वाधिमदयकया
न॥ दालिदारुवा॥ मृदालिदारुवति॥ दालिदरुवायव॥ दालिदमयकयात
धधर्मन॥ ययवा॥ सृगन्ध॥ जलन॥ डरुलारिमूर्ख॥ स्नानकृत्वा॥ सधकाय॥ न

साक॥ लखन॥ ययव॥ वायव॥ अनानयाव॥ शुचिमलव॥ मयायवा॥ यदिलुमनम
व॥ मियाव॥ गुनगुनहसि॥ वा॥ गुन॥ वायिदसितव॥ धमनीन॥ गुनस्कदका॥
गुनक॥ वाकि॥ स्कलमकय॥ कायक॥ निविध॥ कर्म॥ अनयादायाय॥ धनाविधि
वायिवा॥ यठविधि॥ ववन॥ ययवाय॥ यागाविधि॥ मानसंतिथकायव॥ नृगठन
यय॥ याय॥ सना॥ दण्ड॥ कृष्णामृता॥ जितायय॥ ताठन॥ क्रिमकसन॥ व

तकायकं कतुमतिविधिं दना दानाययं दायं गु ७ स्वता ॥ या धातियात ॥ साय
 ॥ सायमनं ॥ अदत्यादानं ॥ भव्याविषयं सननकं काक यूक मनेवं काममि
 व थावाल धति ॥ यति युयुतय लायलयामनं व वाचिकं यतुविधिः वदननया
 य यामं गु ७ याताविधि ॥ मृखावादं येषु नांया लूयं ॥ असरिर्नयलायध विः ॥
 मखडा ॥ असनखद्वार्य ॥ कवद्वार्य ॥ गलवदनविद्यमनं व ॥ सस ॥ असनखद्वार्य

मनेवना ॥ मानसं कतुमतिविधिं विरुनयाययायं गु ७ स्वताविधि ॥ अविश्यावाया
 दं ॥ याययुनां मसाय ॥ अरुनीरुयुव ॥ मिथाद्वैद्विष्ट्रति ॥ भवभावनकलाययं दन
 गु ७ धर्मा भामाल शलय मनेव ॥ ॥ ननतदशा कुशला यविद्वेनीयातुद
 शा कुशलानां ॥ धनजितायार्यं नाठनं ॥ धदसाकमवदाकार्या यत्रुर्मा
 या रुलरुह रुहना ॥ कर्मरुलरुष्टुन ॥ या धातियातानां अत्यायु ८ ॥ यानि

द्यागयाहायारुलनकन, आयुवशुनरुमदत ॥ अदद्यादानंशु अरुग
इदाविदुता ॥ भव्याविषयनं दानयादानं नयमदसां नोमनदरुन ॥
कामसिध्दावाजगु यमुगुदनयायायायनरुनकन ॥ वियराया सुयुगुमि
विथागता ॥ मगहाकजागव कायव विथागरुयिव ॥ मृषावादाग अवय
ननं इहदावविमुनारुल ॥ असुखर्विज्ञायायायायनकन त्वलनकवि

यायुव ॥ यिणुनाग ॥ कायज्ञायायायनकन ॥ मिगुरुद कलरुवियलि ॥ त्वा
ववविनाध कलरुआयदारुल लायुव ॥ यात्रुयागु अमनाह्लाशु इनग
न ॥ भवमययाथं नानववनवियायायायकन मनसुखमदसा लोकन
निवनायायुव ॥ असुरिनयजायागु अनादय स्वाकन लोकवुरिनरुल
॥ भवहाययाहखज्ञायाकन दनयववनमइ लोकवक्रुवइयिव ॥ अवि

शाश्वतज्ञानमखरुल ॥ शुभानयाकनं, क्लानदमनं ऊलशयव ॥ व्यायादागुमी
वधद्विषमादिना ॥ भवस्यामरालयानं, तदक्लानं वदभाहाइव ॥ मिथ्यादृष्ट
नीवहीनजाति, हत्यहिरुल ॥ मिथ्यादृष्टियाकनं, तदक्लानं हीनजातिस
जामलयीव ॥ तस्मात्तदभाकसलयत्रितयित्वा, वतवभयत ॥ धूमिनिमि
हिनं, जिताश्रुकृष्णताजगर्व, शीतसुखानादवीयावतवजलयरुनं, धनम्

नियनियन ॥ समन्तारुनं रुदकं, ग्रायार्यायाधायं, दणदिष्टाकधापुस
नियतिता ॥ एकमनयाहारं, शक्तिश्रायय, डयाधायं, दसदिगुलाकवा
कुसशागं, वृद्धा, रगवना, वाधिसत्वध, मुदममूकनामावृद्ध, धर्मसद्यम
सवधगच्छामि ॥ तथागतदकां, वाधिसत्वदकां, धरुप्रजियनि, थवश्ना
माद्रिथदाव, वृद्धधर्मसंयस्क, जियनिनकलस्यनं, वनार्गं ॥ पुनजयनं

समन्त्राद्वक्तुं रुदन्तां समस्तगुणवृद्धवाधिसत्त्वेषु ॥ रुतांभवस्वज्ञाया
 नकमनयादृष्टिः समस्तगुणसमस्तवृद्धवाधिसत्त्वदकोक्तः ॥ माता
 यितेशी ॥ मासवदूनयादृष्टार्थं रुदन्ताभगम्भं सर्वसम्यक्पुष्ट्यु ॥ शुभार्थद
 मंत्रनायसकप्रजाकदकां क्रियनिसकचनं ॥ आस्मादिह रुद्रमीनि रुद्रान्
 प्रभुः मयायायकं कर्मकर्म ॥ अकर्मसं रुद्रधूमसं रुद्रनयायमाहा ॥ शु

कात्रितंवा जनुमादितं तत्सर्वनकध्यायिधुयित्वां पुलायित्वां ॥ भवयाव
 कात्रितं तालयाधुन प्रथुयार्थदकां कलयालस्यनं क्रियनयाहाव
 म्वनसूनकादं रुद्रालययकां ॥ शीवसुधाजायः ॥ जनुगुणवृद्धवाधिसत्त्वा
 स्यान्निकं सर्वयार्थं यतिदक्षयामि जाननस्मत्रधं यतिह्लादयामि ॥ शीवसु
 धाजाम रुद्रनयाहाव समस्तगुणवृद्धवाधिसत्त्वसकं रुद्रनयाहाव रुद्र

नमस्तुभ्यं यायं गुरुनया दार्वं दक्षलया आवजनयायं महवसिचय
 भा धर्मजिनसमनयेश्वरा आवनलिधृतियायं दिनतात्रतेश्वरा समवा
 दल यथागं ननुद्वर्गं कथमयीसमादक्षं नकमनयाद न गथां श्रव
 द्वा न गथा धनयेश्वरा सध्यानवदितानिजामिषा गुरुवत्तेश्वरजिन
 वद्वालिचुत्वा श्वगिनयमतव नामतव श्वमतव वि विकनमतव व

मययेश्वरायं कथं यावर्गद्विर्वा अथवा यावत्तत्रागिगामिनि यावत्तमयद
 तात्र तावत् ॥ गथा गुरुता जिदनवदल यथा न अधिमा थनया जागुद्वन द
 व कनमयासूर्य मनुता न श्रवता शीवसूत्रायावत् नकागमनस्यर्न समा
 धात्रयत् ॥ शीवसूत्राया वत् नकावितर्न नकमनमाद न धनयेश्वरा य
 र्यनामो ॥ ॥ वसुधावामधु यवत्तस्कायाय यवत्तस्कायाय ॥

७२

सर्वविद्यानुसावयहं ॥ **स्नानमशुलदुयर्कवाय ॥** शीवसुनालेस्नादा ॥ **डं** शीव
 सुधाग्राधानधीयस्नादा ॥ **डं** शीवसुधानधीयास्नादा ॥ **दधुम ॥** शीवंधनसागले
 निर्घोषाय तथा गताय वडयूर्ययुनियकस्नादा ॥ **थवन ॥** **डं** शीआर्यवनाकि
 तंश्रयाय वडयूर्ययुनियकस्नादा ॥ **खवम ॥** **डं** शीआर्यवडयानय वडय
 र्ययुनियकस्नादा ॥ **ऊवम ॥** **डं** शीलादवीय वडयूर्ययुनियकस्नादा ॥ **हव**

१७१ वडयूर्ययुनियकस्नादा ॥ ऊवथयुका नमः ॥
 १७२ वडयूर्ययुनियकस्नादा ॥ खवका नमः ॥

न ॥ **डं** शीकुलकनयायस्नादा ॥ **खवकानम ॥** **डं** शीरु४र्षखयालनागनाजाय
 स्नादा ॥ **ऊवकनम ॥** **थुनिदधुमनदनम ॥** शीयुकायिस्नादा ॥ **खवकाथुकनम ॥** **डं**
 शीसुगुकायिस्नादा ॥ **खवधकनम ॥** **डं** शीसनसुर्तेययस्नादा ॥ **ऊवधकनम ॥**
डं शीवावुकाकायस्नादा ॥ **ऊवकाथकनम ॥** **दधुमरुन ॥** **डं** शीमानिरुदायस्ना
 दा ॥ **हवन ॥** **डं** शीयुधरुदायस्नादा ॥ **खवम ॥** **डं** शीधनयायस्नादा ॥ **थवन ॥**

डंष्टीर्वेशमनाय स्वाहा ॥ **जवस** ॥ डंष्टीविविंकुलिनस्वाहा ॥ **खवकाथुकुनस** ॥ डं
 ष्टीकालिमालिनस्वाहा ॥ **खवथथुकुनस** ॥ डंष्टीमुखद्वयस्वाहा ॥ **उवथथुकुनस** ॥ डं
 ष्टीवलद्वयस्वाहा ॥ **जवकाथुकुनस** ॥ डंष्टीनिधानाय स्वाहा ॥ डंष्टीनिधानाय स्वाहा ॥
 ॥ **अथथर्व** ॥ ष्टीमहात्मिस्तुतानिवाणिनिय वरुपूर्यापतिर्यकस्वाहा ॥ **दथर्म** ॥ **वैव**
वाहनपूजा ॥ डंष्टीवसु ॥ **स्वान** ॥ डंष्टीवसुनिस्वाहा ॥ **वत** ॥ डंष्टीवसुमनिस्वा

मि ३
 हा ॥ **आक्रम** ॥ डंष्टीवसुधालिनी स्वाहा ॥ **धुनि** ॥ डंष्टीवसुधामालिनीय स्वाहा ॥ **मग**
 ॥ डंष्टीवसुमतिविधिय स्वाहा ॥ **ताय** ॥ **गुति** ॥ कल्याणनविधिनं यविवेमानां याधा
 लयाविधिवेनल सुवधूमयापूरुकाथारुवनं मरुभवमर्व तासर्वलाकडनतिष्ठ
 धमासिरुक् ॥ **कलसिग** ॥ रुगवतिवसुधाला श्रुतिवित्तुवनादाकर्मयत् ॥
 डंष्टीयैकालिवनकालि वानकालि आगच्छागच्छु स्वाहा ॥ **कनसमलुलदागत**
 अंरुमलकलद्वयस्वाहा ॥ २ ॥ १॥ क्रिसियामरु

ॐ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ २१ ॥

॥ विष्णुसहस्रनाम ॥

[illegible]

अर्थवाक्य ॥ अंकुशकाचितमनमादितमधमविलसकूलमधममयाथकादिनयचुततममृ
मादीपवतसुखनरुदय ॥ अंकुशकुकुशवर्धनिनिष्पादनिहानपतनमानलुभायनानाथतनधनलकिर्तन

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

रुद्रात्रकाय, चवनकमनाय, अघयतिथि, स्वाहा ॥ नियुक्त, हलखान, द्रव्यम
 वयक ॥ ठंनभात्रलक्याय, गगर्जिवमं, नक्षत्रहलकल्लुदिवात्रय, शीवसुधा
 न, दसुगिर्वकलि, धारिकालि, यूष्टुं कलि म २ कार्यसिद्धि, कल्लेखाहा ॥ २१ ॥
 वक्ष्यहलपुत्रा ॥ यति ॥ नमस्तुमु महादवि, सर्वसिद्धिप्रदायीनी, नमस्तुम
 हलक्री, वसुधा, लज्जामा मुगं ॥ ७ ॥ स्वाहा कालवा, हावक ॥ ठंसी, स्यात्रय, हल

॥ देवी दिव्य नयन साहा ॥ देवी दिव्य नयन साहा ॥ देवी सुनयन साहा ॥ देवी हाननयन साहा ॥
॥ देवी पुष्पाय लोमि न साहा ॥ देवी वज्रसूत दय साहा ॥ देवी सुरद साहा ॥ देवी
सुरद मति साहा ॥ देवी मंगल साहा ॥ देवी अम साहा ॥ देवी अम साहा ॥ देवी
वल साहा ॥ देवी अयल यल साहा ॥ देवी उद्यान निर्म साहा ॥ देवी उद्यान निर्म साहा ॥
॥ देवी समवति साहा ॥ देवी समवति साहा ॥ देवी धनवति साहा ॥ देवी धा

नवति साहा ॥ देवी शमति साहा ॥ देवी यशमति साहा ॥ देवी अल साहा ॥ देवी विम
प्र साहा ॥ देवी ललम साहा ॥ देवी मप्र साहा ॥ देवी मलनामनि साहा ॥ देवी
सुनयन साहा ॥ देवी अनन साहा ॥ देवी विनन साहा ॥ देवी विनन साहा ॥
॥ देवी विष्णु कसि साहा ॥ देवी विष्णु कसि साहा ॥ देवी विष्णु त्रिभि साहा ॥ देवी विष्णु
द्वय साहा ॥ देवी आवसनि साहा ॥ देवी आवसनि साहा ॥ देवी अद्वय साहा ॥

डंष्टी यरुं कृत्र स्वाहा ॥ डंष्टी शुभाद्यां कृत्र स्वाहा ॥ डंष्टी मित्रियव कृत्र स्वाहा ॥ डंष्टी
 यवमनि स्वाहा ॥ डंष्टी नृममम स्वाहा ॥ डंष्टी मिमिमम स्वाहा ॥ डंष्टी धूममम स्वाहा ॥ डंष्टी
 नृममम स्वाहा ॥ डंष्टी नृममम स्वाहा ॥ डंष्टी नृममम स्वाहा ॥ डंष्टी नृममम स्वाहा ॥ डंष्टी नृममम स्वाहा ॥ १२
 विदग्धि वसुधा लानामश्रानि महा लला वल गुरु कल्पिय स्वाहा ॥ डंष्टी वड
 वडय स्वाहा ॥ डंष्टी माहा वडो यमय स्वाहा ॥ डंष्टी श्रावतनिय स्वाहा ॥ डंष्टी य

[illegible]

महागङ्गाध्यासादा ॥ डंष्ट्रीमहासालमगिस्वादा ॥ डंष्ट्रीमहाथाष्टिमगिस्वादा ॥ डंष्ट्री
सर्वजनवर्णकालिस्वादा ॥ डंष्ट्रीमर्वदृष्टानिकुनिकनिस्वादा ॥ डंष्ट्रीमर्वमर्वकविना
सिद्धरुद्रस्वादा ॥ डंष्ट्रीआगङ्गागङ्गासमयमनुस्मानस्वादा ॥ यलियुधू ॥ डंष्ट्रीव १३
सुधालिनियस्वादा ॥ डंष्ट्रीवसुधाप्रसादा ॥ डंष्ट्रीवज्रधलसागलनिर्धामनधा
गगायस्वादा ॥ डंष्ट्रीज्जलादवीयस्वादा ॥ डंष्ट्रीयज्ञनिधानायस्वादा ॥ डंष्ट्रीवज्रध

नायस्वादा ॥ डंष्ट्रीजलवायस्वादा ॥ डंष्ट्रीजखयालनागगाजायस्वादा ॥ डंष्ट्री^{गुफा}मनाद
वियस्वादा ॥ डंष्ट्रीमगुगायस्वादा ॥ डंष्ट्रीववाकागायस्वादा ॥ डंष्ट्रीमलमगितियस्वा
दा ॥ डंष्ट्रीमनिरुदायस्वादा ॥ डंष्ट्रीयुनरुदायस्वादा ॥ डंष्ट्रीवनदायस्वादा ॥ डंष्ट्री
वसर्वेदनायस्वादा ॥ डंष्ट्रीविक्रदलिनयस्वादा ॥ डंष्ट्रीकलिमालियस्वादा ॥ डंष्ट्री
मुखदायस्वादा ॥ डंष्ट्रीवप्रदायस्वादा ॥ डंष्ट्रीमाहालक्ष्मीरुगवनिवासनियस्वादा ॥

असिपूषासीकासीलाकनाथस्त्रयनी ॥ कामरूपधनः श्रीमान् कृष्णार्जुनमाम्यहं ॥

॥ **शक्रयय ॥ यं कृवादा नयुजाया ॥ गुति ॥** रगवतिवसेना गहनमृकितमा
मि ॥ गगनगतिमैलार्कं भावनुंतिर्यग्यानि असमगुननिधानं कायनं लक्षमक
ट वहुजनधनसमुधिसागुनलवर्ष ॥ वलिमत ॥ डंष्ट्रीवसुधाय ॥ ७७ मवलिगु १४
कृश्यस्वस्वा ॥ २ दानयतधर्मशक्तिसगनयातिवाचा सातिवृत्तिकृत्स्नसक्तियसा
दा ॥ **यं वदादा नयुजा ॥ वसुधा वा धावनिर्मवतविधिसमार्य ॥** शुभमंगवर्तव कु
- निष्ठाभित्तासत तावपूजासमुधिलक्षितं

वलिवियक ॥ डंष्ट्रीवसुधालिनि डावि ५५४ स्वस्वदातिसर्वयकृषीसमगां
शीर्षागकृ २ ७७ मवलिगु २ २ स्वस्वाहि २ धनधान्यददाययसधनधिक्षाज
सिस्वादा ॥ **यं वियदा नयुजा ॥ स्नानतन ॥ गुतिमयय ॥ जताकृवा ॥ विसकन ॥**
७७ डंष्ट्रीवसुधा वा दवीवतविधिसमार्य ॥ ७ ॥ ७७ ॥ सति कृद्वनिमान १
तर्षयुजाकृय दगुनिपूनदाव देव मशुलजायाय धनदाव धनमुनि

मिद्वनववशक्तिगर्भं नुनमकुलधर्मदनक वलितिवियभूनडाव ॥ वनकागाय
व वीतनवोना व धूनकुरुयावजाकावगय ॥ वलमूनियनियननगुनदया अनि
कस्तु ॐ नायया ॥ कस्तु वयालस्यन आसदयकारुनकु जावग ॥ डिर्व
सागामिनिया जावगस र्धदयातन गावग ॥ धीवसुधावा वतक्षदयेश ॥ गव
गाधानसाजिवन वरुनयतावसान ॥ मरुनसाधनया नागिवनडाव कनसय